'प्रयाग' करेगा गंगा-यमुना के प्रदूषण की निगरानी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: गंगा-यमुना और उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण के स्तर की निगरानी को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। इसमें सुधार के लिए केंद्र सरकार ने प्रयाग प्लेटफार्म के जरिये इन नदियों में प्रदूषण की रियल टाइम निगरानी की पहल की है। प्रयाग का अर्थ प्लेटफार्म फार रियल टाइम एनालिसिस आफ यमुना-गंगा (पीआरएवाएजी) है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में गुरुवार को स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन के टास्क फोर्स की 11वीं बैठक में इस प्लेटफार्म को शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं तथा प्रगति की समीक्षा की गई। प्रयाग एक रियल टाइम मानिटरिंग सेल की तरह कार्य करेगा। इसके तहत इन नदियों में जल की गुणवत्ता की सतत निगरानी के साथ ही नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए योजनाएं भी बनाई जाएंगी। प्रयाग में कई डैशबोर्ड होंगे, जैसे गंगा तरंग पोर्टल, आनलाइन ड्रोन डाटा के माध्यम से जाजमऊ प्लांट की स्थिति, पीएमटी टूल डैशबोर्ड, गंगा डिस्ट्रिक्ट परफार्मेंस मानिटरिंग सिस्टम आदि। शेखावत ने गंगा को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए एक कामिक सीरीज भी जारी की है-चाचा चौधरी के साथ, गंगा की बात।

- स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन की बैठक में बनी रियलटाइम निगरानी की नई व्यवस्था
- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने लांच की चाचा चौधरी के संग, गंगा की बात कामिक सीरीज

गंगा में 12 दिन के भीतर बहा 58 करोड़ लीटर प्रदूषित पानी

जासं, कानपुर: जाजमऊ के वाजिदपुर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, बुढ़ियाघाट और वाजिदपुर पंपिंग स्टेशन में लीकेज होने के कारण आठ अप्रैल से 20 अप्रैल तक करीब 58 करोड़ लीटर दूषित पानी गंगा में बहाया जा चुका है। ये हालात तब हैं, जब 35 वर्ष से गंगा को निर्मल करने को 1,536 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

उद्योगों में दूषित जल के शोधन पर जोर: शेखावत ने अधिकारियों को गंगा के किनारे स्थापित उद्योगों में स्वच्छ पानी के इस्तेमाल की स्थिति के अध्ययन का भी निर्देश दिया। उन्हें थर्मल पावर प्लांट रिफाइनरियों, रेलवे और दूसरे उद्योगों में ट्रीटेड पानी के इस्तेमाल को लेकर कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है।

nwda.gov.in